विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

अप्रैल, 2024

प्राचार्य की कलम से :

पूरी पृथ्वी एक समुदाय है। सभी तरह के छोटे–बड़े जीव एक दूसरे के साथ मिलकर व्यवस्थित ढंग से करोड़ों वर्षों से अपनी जिंदगी के चक्र में चल रहे हैं। इस समुदाय में सभी जीव एक दूसरे के लिए फायदेमंद होते हुए सुकून के साथ तब ही रह सकते हैं जब तक की वे अपनी आवश्यकता के अनुरूप अपना हिस्सा उपभोग करें लेकिन इन तमाम जानदार जीवों में महज़ इंसान ऐसा जीव है जिसने इस व्यवस्था के साथ अपने लालच में दूसरे के हिस्से का उपभोग करना शुरू कर दिया है। तरक्की के नाम पर अनियंत्रित प्राकृतिक संसाधनों का दोहन,बढ़ता हुआ प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन एवं कभी ना खत्म होने वाले जहरीले कचरे ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से पृथ्वी के तापमान को बढ़ाना शुरू कर दिया है। यूरोपीय जलवायु परिवर्तन एजेंसी के आंकड़े बताते हैं कि बीते 12 महीनों के दौरान औसत तापमान औद्योगिक क्रांति युग के मुकाबले 1.5 डिग्री से भी ज्यादा हो गया है जिससे हमारे ध्रुवों की बर्फ पिघलने लगी है, समुद्र में पानी का स्तर बढ़ने लगा है, पानी का चक्र डिस्टर्ब होने से कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा, बे–मौसम बरसात,खाद्यान्नों के उत्पादन में कमी, विलुप्त होते जीव और प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिलती हैं। बढ़ती गर्मी तथा जहरीले कचरे ने, न केवल मौसम के पैटर्न को बदला है बल्कि जीवों में होने वाली बीमारियों के पैटर्न को भी बदल दिया है। इन सबके लिए हम सब (कुछ अपना रोल प्ले करके और कुछ इन मसलों पर चुप्पी साथ कर) जिम्मेदार हैं। अगर हमें इस पृथ्वी को बचाना है तो सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। इतिहास गवाह है कि इंसान अगर परिवर्तन चाहता है तो उसे मिलकर साझा रूप से प्रयास करने होते हैं। हमें हमारे जीवन शैली को बदलना होगा, हमारी गतिविधियां बजट फ्रेंडली होने के साथ–साथ इको फ्रेंडली भी होगी, तभी हम कुछ कर पाएंगे। हमारे जलवायु परिवर्तन और तापमान बढ़ने का मुख्य कारण ग्रीन हाउस गैसें हैं। एक तरफ हम ग्रीन हाउस गैस वातावरण में छोड़ रहे हैं, दूसरी तरफ इन गैसों को कम करने के लिए भी कुछ कदम उठा रहे हैं। इन गैसों की संतुलन को वातावरण में बनाए रखने के संप्रत्यय को नेट जीरो कहा जाता है। इस नेट जीरो बैलेंस को बनाए रखने के लिए हमें जीवाश्म ईंधन के उपभोग को कम करना होगा,ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करना होगा, हमारे जंगलों के दायरे को बढ़ाना होगा। आजकल एक नई तकनीक कार्बन कैप्चर विकसित हुई है, जिसमें वातावरण की कार्बन को कैप्चर करके जमीन के नीचे संग्रहित किया जाता है। हमारे देश ने 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन न्यूट्रॅलिटी का टारगेट पूरा करने का वर्ष रखा है। हमें इस कार्बन न्यूट्रॅलिटी में अपना योगदान देने के लिए अपने स्तर पर छोटे–छोटे प्रयास करने होंगे। हमारी आदतों को बदलना होगा। हमें स्थानीय मौसम के अनुसार फल और सब्जियों का सेवन बढ़ाना तथा पैकेट फूड के उपयोग को छोड़ना होगा। रीयूजेबल सामग्री का उपयोग करना होगा, हमारी भोजन के जूठन को कम करना होगा, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग तथा साझा करने की आदतें विकसित करनी होगी तभी हम इस लक्ष्य में अपना कुछ अंश योगदान दे सकते हैं।

–डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादन

सलाहकार– डॉ. जितेंद्र तायलिया, डॉ. अनुराग प्रियदर्शी

प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादक– डॉ. गिरीश शर्मा

प्रूफ रिडिंग– डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग–चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,
डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान
ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814
Website-www.vidyabhawan.in

मध्यावधि परीक्षा की तैयारी बैठक

5 अप्रैल, 2024। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरज़ाना ईरफान की अध्यक्षता में बी.एड. एवं एम.एड. प्रथम वर्ष की मध्यावधि परीक्षा की तैयारी बैठक हुई। बैठक में निर्णय किया गया कि बी.एड. प्रथम वर्ष मध्यावधि परीक्षाएं 29 अप्रैल से 15 मई तक होगी तथा ये विश्व विद्यालय द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं की तरह ही होगी। परीक्षा में तीन–तीन इकाइयां शामिल होंगी जिसके लिए 20 अंक निर्धारित किए गए। कॉपियां जांच कर सात दिनों में कमेटी को अंक भेज दिए जाएंगे।

समालोचना पाठ की तैयारी बैठक

5 अप्रैल, 2024। बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के समालोचना पाठ को लेकर यूजीसी हॉल में बैठक हुई। कन्वीनर डॉ. नैना त्रिवेदी ने बताया कि विद्यालयों में परीक्षाएं चल रही है तो वहां समालोचना पाठ करवाना संभव नहीं हो पाएगा। अतः सामूहिक सहमति से इसे महाविद्यालय में समरूपित परिस्थितियों में ही करवाने का निर्णय किया गया। उन्होंने बताया कि 12 से 19 अप्रैल तक समालोचना पाठ का आयोजन किया जाएगा तथा एक दिन में 60 विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा।

समाजोपयोगी उत्पादन कार्य शिविर की समीक्षा

5 अप्रैल, 2024। प्राचार्या डॉ. फरज़ाना ईरफान की अध्यक्षता में समाजोपयोगी उत्पादन कार्य शिविर की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि शिविर में प्रदर्शनी को देखने का समय कम मिला। साथ ही प्रदर्शनी का आयोजन खुले में करने से उसे जल्दी हटाना पड़ा। भविष्य में प्रदर्शनी का आयोजन हॉल में करने का निर्णय लिया गया ताकि प्रदर्शनी लंबे समय तक लगी रहे और ज्यादा विद्यार्थी देख पाएं। सुझाव आया कि प्रदर्शनी का ई–प्रस्तुतीकरण भी करवाया जा सकता है। सामुदायिक सेवा कार्य के लिए समय भी कम अनुभव किया गया। सामुदायिक सेवा कार्य के लिए ज्यादा समय लगाना चाहिए।

समालोचना पाठ का आयोजन

19 अप्रैल, 2024। बी.एड. प्रथम वर्ष के समालोचना पाठ का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने प्रथम एवं

द्वितीय दोनों विषयों के समालोचना पाठ दिए। विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित पाठों को देखते हुए 55 विद्यार्थियों को पुनः पाठ दिलवाने का निर्णय किया गया। इन विद्यार्थियों की पाठ योजना एवं शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए विषयाध्यापकों द्वारा उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इससे पूर्व विद्यार्थियों ने इंटर्नशिप पूर्ण कर 11 मार्च को पुनः महाविद्यालय में उपस्थिति प्रदान की। ट्यूटोरियल में विद्यार्थियों के पूर्णता प्रमाण पत्र एवं ग्रेडिंग शीट जमा किए गए। इसके बाद समालोचना पाठ आयोजन के लिए संकाय सदस्यों से सुझाव लिए गए।

पर्यवेक्षण एवं निर्देशन कार्यक्रम

19 अप्रैल, 2024। एम.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने बी.एड. विद्यार्थियों का विद्यालय इंटर्नशिप शिक्षण के दौरान निर्देशन एवं पर्यवेक्षण किया। इस दौरान उन्होने उनके पाठ योजना निर्माण एवं शिक्षण कार्य को देखा। इसके लिए एम.एड. के विद्यार्थी 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक विभिन्न राजकीय विद्यालय में गए। कार्यक्रम का अभिविन्यास डॉ मनीषा शर्मा ने किया। ऐसे राजकीय विद्यालय गए जहां बी.एड. इंटर्नशिप कार्यक्रम चल रहा था। वहां प्रतिदिन पांच बी.एड. विद्यार्थियों के पांच पाठों पर निर्देशन प्रदान कर उन पाठों के कक्षा शिक्षण के

समय उनका पर्यवेक्षक किया। उन्होंने बी.एड. विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण हेतु सुझाव दिए।

पीएल श्रीमाली व्याख्यान मई में

20 अप्रैल, 2024। प्राचार्य के कक्ष में स्नातक परिषद् की बैठक आयोजित की गई। स्नातक परिषद के अध्यक्ष व सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में श्री पी.एल. श्रीमाली व्याख्यानमाला के आयोजन का निर्णय किया गया। ये व्याख्यानमाला मई के द्वितीय सप्ताह में आयोजित की जाएगी। वार्ताकारों के रूप में दो शिक्षाविद्ों के नाम अनिल शुक्ला, वाइस चांसलर एम.डी एस. विश्व विद्यालय तथा प्रो. संपदानंद मिश्र, ऋषिहुड विश्व विद्यालय, सोनीपत हरियाणा, प्रस्तावित किए गए। वार्ताकारों से व्याख्यान की तिथि निश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का व्यय स्नातक परिषद मद से किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय किया गया कि रामचंद्र, रमेश चंद्र कोष के फण्ड के लिए कानूनी राय के लिए अंकिता व्यास सी.ए. से सलाह लेंगी। स्नातक परिषद् की राशि के लिए एफ.डी. के सम्बंध में अन्य विकल्प प्रस्तावित है। बैठक में प्रो. एम. पी. शर्मा, प्रो. डी. एन. दानी, डॉ सुयश चतुर्वेदी, डॉ. फरज़ाना ईरफान, डॉ. विद्या मेनारिया, डॉ. जयदेव पानेरी, डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा, कुलदीप सिंह चावला, ममता मेनारिया, अंकिता व्यास उपस्थित थे।

नदियों की स्थिति पर चर्चा

20 अप्रैल, 2024। विद्या भवन पोलिटेक्निक महाविद्यालय में नदियों की पुनर्स्थापना, संरक्षण तथा भू–जल सुरक्षा में सहकारी समितियों के विकास विषय पर चर्चा हुई। चर्चा में नीर फाउण्डेशन के संस्थापक बी. रमनकांत (रीवर मैन ऑफ इंडिया) तथा यूनिवर्सिटी ऑफ सीडनी की पीएच.डी. स्कॉलर सुसमीना गुजराल ने अनियंत्रित भू–जल उपभोग, नदियों के सकड़े होते बेसिन, जंगलों व पहाड़ों का कटाव, विलुप्त एवं सकड़ी होती नदियों के विभिन्न पक्षों को चर्चा में रखा। चर्चा में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ना ईरफान एवं प्राध्यापिका डॉ. नैना त्रिवेदी ने भाग लिया।

मार्गदर्शक कक्षाएं

24 अप्रैल, 2024। महाविद्यालय में आयोजित समालोचना पाठ में विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित पाठों में सुधार की आवश्यकता महसूस की गई। इस संबंध में प्राचार्य एवं कमेटी कन्वीनर के सुझाव के अनुसार अंतिम पाठयोजना की मार्गदर्शक कक्षाएं 22 से 24 अप्रैल तक आयोजित की गई। कक्षाएं विषय के समूह में लगी जिनमें टॉपिक लेने, अवधारणा मानचित्र बनाने, सहायक सामग्री एवं पीपीटी बनाने संबंधी सुझाव विद्यार्थियों को दिए गए।

आर्ट एंड ड्रामा की प्रायोगिक परीक्षा

24 अप्रैल, 2024। बी.एड. प्रथम वर्ष के आर्ट एंड ड्रामा की प्रायोगिक परीक्षा 22 से 24 अप्रैल तक आयोजित की गई। परीक्षा में विद्यार्थियों का मौखिक मूल्यांकन किया गया, सत्रीय कार्य जमा किए गए तथा प्रायोगिक कार्य करवाया गया। प्रायोगिक परीक्षा में सत्र 2022–23 की परीक्षा में अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

आईसीटी का आंतरिक मूल्यांकन

24 अप्रैल, 2024। महाविद्यालय के बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापको के विषय आईसीटी का आंतरिक मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के अंतर्गत सत्रीय कार्य जांच, मौखिक परीक्षा ली गई और प्रायोगिक कार्य करवाया

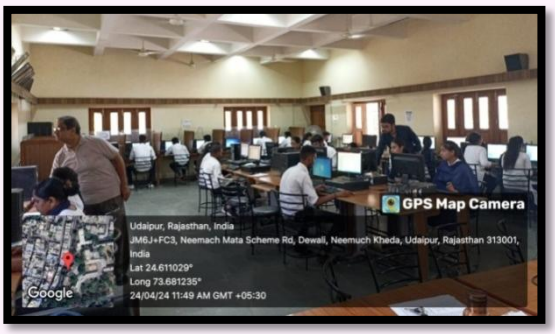

गया। तीन दिन चले आंतरिक मूल्यांकन में प्रत्येक दिन दो पारियों में 30–30 छात्रों का समूह बनवाकर यह कार्य किया गया।

बी.एड. कक्षा शिक्षण

24 अप्रैल, 2024। एम.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को अध्यापक शिक्षक के रूप में शिक्षण कार्य करने का अनुभव प्रदान करना होता है। इसके लिए उन्हें बी.एड. के विद्यार्थियों को पढ़ाना होता है। इस संदर्भ में महाविद्यालय में एम.एड. के विद्यार्थियों के लिए कक्षा शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एम.एड. के प्रत्येक विद्यार्थी ने बी.एड. के विद्यार्थियों को अपने शिक्षण शास्त्र के विषयों पर आधारित तीन–तीन पाठों का शिक्षण कार्य किया। शिक्षण से पूर्व एम.एड. विद्यार्थियों ने अपने शिक्षण शास्त्र विषयों की विषय अध्यापकों के निर्देशन में पाठ योजनाएं तैयार की एवं उनके पर्यवेक्षण में उन पाठों को विद्यार्थियों को पढ़ाया। विषय अध्यापकों ने उन पाठों का अवलोकन पर उन्हें सुधार हेतु सुझाव प्रदान किये। विद्यार्थियों ने शिक्षण में विभिन्न विधाओं का प्रयोग किया।

मध्यावधि परीक्षाएं प्रारंभ

29 अप्रैल 2024। महाविद्यालय में बी.एड. प्रथम वर्ष एवं एम.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं प्रारंभ हुई। परीक्षाएं विश्व विद्यालय की परीक्षा पैटर्न पर ली जा रही है। इस परीक्षा में तीन–तीन इकाइयों को शामिल किया गया है तथा सभी विद्यार्थी इसमें भाग ले रहे हैं। परीक्षाएं 13 मई तक चलेंगे। इस परीक्षा से विद्यार्थियों की विश्व विद्यालय द्वारा होने वाली परीक्षा की तैयारियां भी होंगी।

लघु शोध हेतु शोध शीर्षक चयन कार्यशाला

27 अप्रैल, 2024। एम.एड. विद्यार्थियों को शोध में अनुभव एवं समझ विकसित करने हेतु स्वयं भी लघु शोध करना होता है। इसकी प्रथम सीढ़ी के रूप में शोध शीर्षक चयन की प्रथम कार्यशाला आयोजित की गई। समन्वयक डॉ मनीषा शर्मा थीं। विशेषज्ञ प्रो. एम.पी. शर्मा एवं डॉ. सुयश चतुर्वेदी थे। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने पूर्व में अपने शोध पर्यवेक्षकों के साथ चर्चा कर शोध शीर्षक का चयन किया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों, प्राचार्य, समस्त संकाय सदस्यों एवं अपने साथियों के समक्ष अपने शोध शीर्षक प्रस्तुत किए। संकाय सदस्यों एवं विशेषज्ञों ने इस पर अपनी प्रतिपुष्टि प्रदान की और शोध विषय को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट बनाने के सुझाव दिए।

ग्रीष्मकालीन हॉबी क्लासेज़ के लिए संपर्क

29 अप्रैल 2024। महाविद्यालय में शीघ्र ही आरएससीआईटी का कोर्स प्रारंभ होने वाला है। साथ ही ग्रीष्मावकाश में हॉबी क्लासेज भी लगेंगी। इसके लिए महाविद्यालय की प्रचार–प्रसार टीम ने विद्या भवन के स्कूलों तथा नजदीकी निजी एवं सरकारी स्कूलों में प्रचार–प्रसार एवं संपर्क किया। स्कूल के प्राचार्य एवं अध्यापकों को इस कोर्स एवं हॉबी क्लासेज़ के बारे में बताया और विद्यार्थियों को हॉबी क्लासेज़ में रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित किया। टीम ने महाविद्यालय के पुस्तकालय एवं हॉस्टल सुविधा से भी अवगत करवाया। इस संदर्भ में पैम्फलेट्स भी बांटे गए।

डॉ. विद्या का लेख प्रकाशित

29 अप्रैल, 2024। महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. विद्या मेनारिया का लेख राजस्थान जर्नल सोशियोलॉजी राजस्थान, समाजशास्त्रीय परिषद् द्वारा प्रकाशित यूजीसी केयर अनुमत एवं सहकर्मी समीक्षित द्विभाषिय पत्रिका में प्रकाशित हुआ। लेख का विषय 'उदयपुर शहर में अपशिष्ट प्रबंधन एवं महिला जागरूकता' था।

इंटर लॉकिंग ब्लॉक सड़क निर्माण

29 अप्रैल, 2024। महाविद्यालय में सेकसरिया फाउण्डेशन के सहयोग से इंटर लॉकिंग ब्लॉक सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। इसके लिए सेकसरिया फाउण्डेशन की ओर से 12 लाख 24 हजार रुपए का सहयोग किया गया। इंटर लॉकिंग ब्लॉक निर्माण कार्य महाविद्यालय के जुबली हॉस्टल में भी किया गया। यह निर्माण कार्य 20 हजार वर्ग फिट के क्षेत्र में किया गया है।